कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- दिल्ली के सुल्तानों के बारे में जानकारी - कैसे ?
- दिल्ली सल्तनत का विस्तार - गैरीसन शहर से साम्राज्य तक

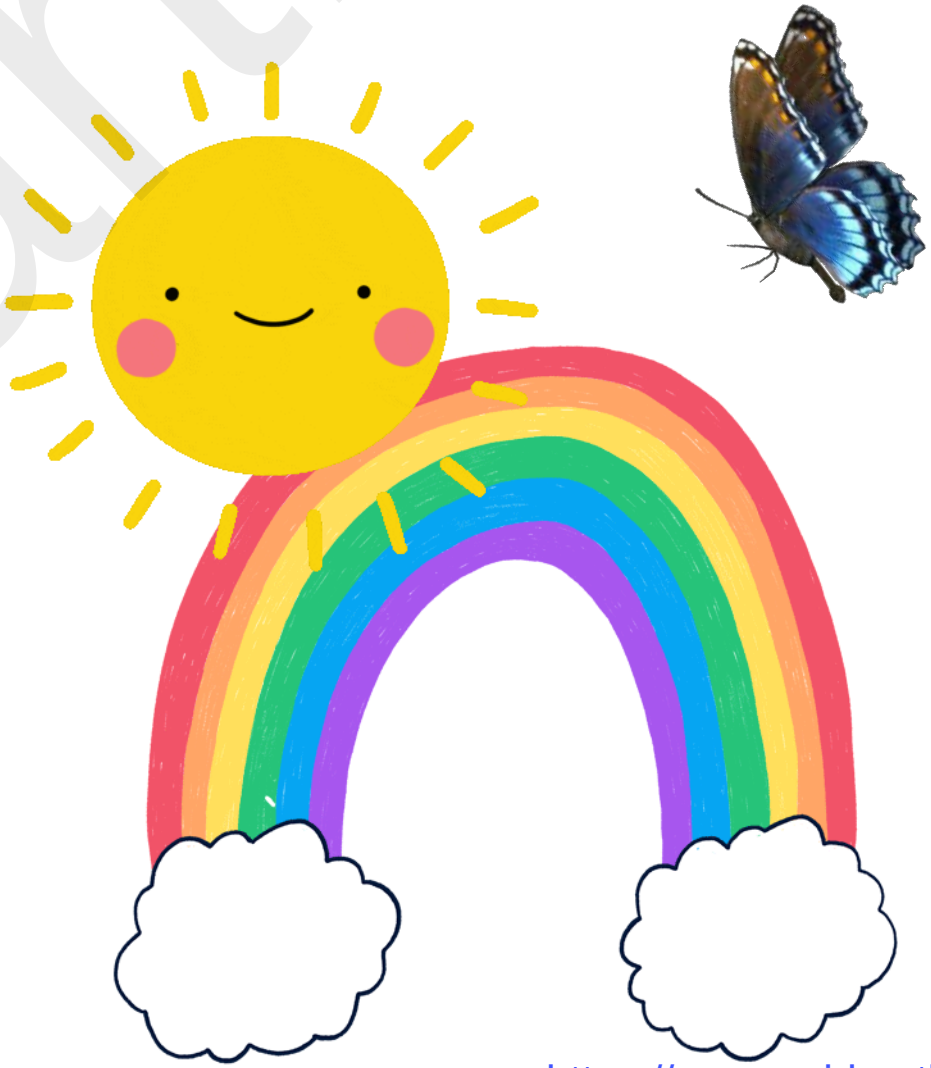

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- खिलजी और तुगलक के वंश के अंतरगर्त प्रशासन और समेकन - नज़दीकी से एव नज़र
- पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी का सल्तनत

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

- पहले दिल्ली में 12 वीं शताब्दी के मध्य में तोमर राजपूतों की राजधानी थी। (चौहानों (अजमेर) से पराजित हो गए।

- तोमरों और चौहानों के अधीन दिल्ली एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र बन गया।

दिल्ली

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- जैन व्यापारियों ने कई मंदिरों, सिक्कों का निर्माण किया जिन्हें दहीवाल कहा जाता था।

- दिल्ली में कई शहर हैं और इसका अपना इतिहास है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

दहीवाल

मंदिर

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

दिल्ली के शासक

- राजपूत राजवंश

तोमर	**प्रारंभिक बारहवीं शताब्दी-1165**
अनंगा पलास	**1130-1145**
चौहान	**1165-1192**
पृथ्वीराज चौहान	**1175-1192**

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रारंभिक तुर्की शासक 1206-1290

कुतुबुद्दीन ऐबकी	1206-1210
शम्सुद्दीन इल्तुतमिश	1210-1236
रज़िया	1236-1240
गयासुद्दीन बलबन	1266-1287

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

खिलजी वंश 1290-1320

- जलालुद्दीन खिलजी 1290-1296
- अलाउद्दीन खिलजी 1296-1316

तुगलक वंश 1320-1414

- गयासुद्दीन तुगलक 1320-1324
- मुहम्मद तुगलकी 1324-1351
- फिरोज शाह तुगलक 1351-1388

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

सैय्यद वंश 1414-1451

खिज़्र खान	1414-1421

लोदी वंश 1451-1526

बहलुल लोदी	1451-1489

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

दिल्ली के सुल्तानों के बारे में जानकारी - कैसे ?

- फारसी का उपयोग दिल्ली सुल्तान के अधीन एक भाषा के रूप में किया जाता था और हम कई ऐतिहासिक शिलालेख, सिक्के, वास्तुकला देख सकते हैं।
- तारिख (एकवचन) तवारीख (बहुवचन) फारसी में लिखा गया है।
- तवारीख के लेखक विद्वान पुरुष, सचिव, प्रशासक, कवि और दरबारी थे (वे शासकों को सलाह देते हैं)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

इन शिलालेखों, सिक्कों और स्मारकों की सहायता से फारसी भाषा की खोज की गई थी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

तवारीखी

फ़ारसी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

तवारीखी के लेखक

कवियों

सचिवों

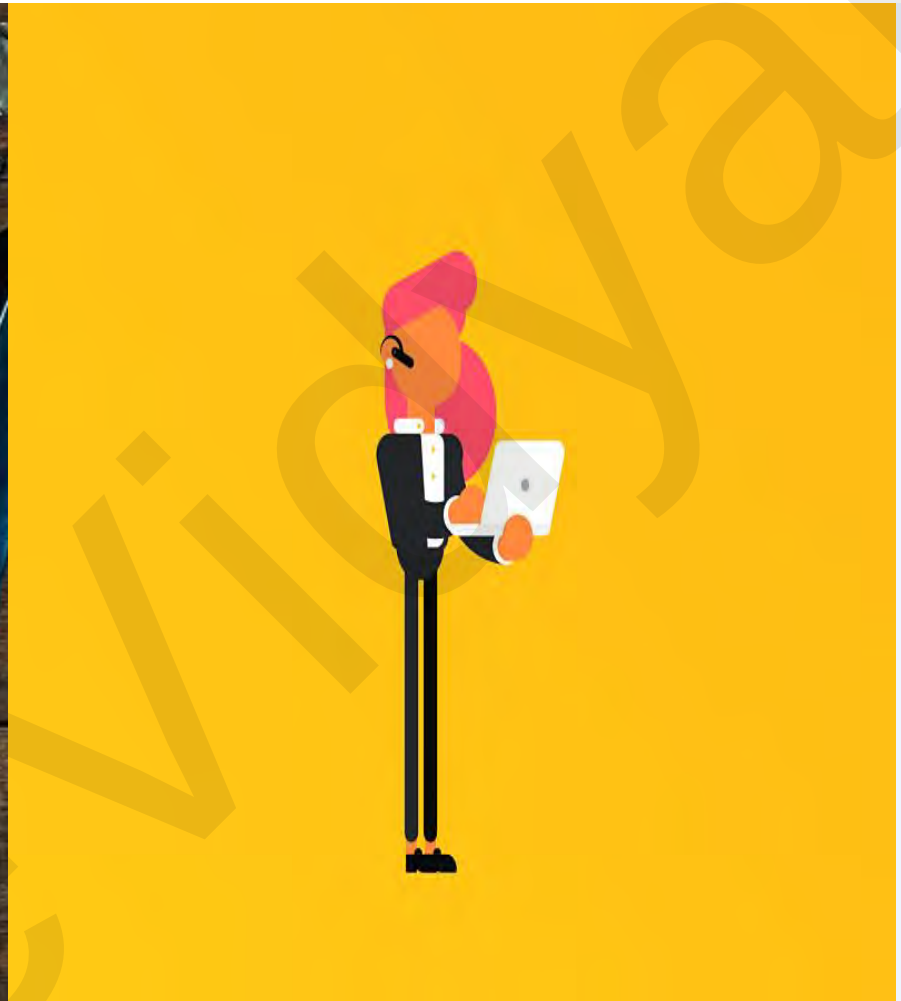

प्रशासकों

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- तवारीख लेखक शहरों (दिल्ली) में रहते थे, कोई गाँव नहीं। बदले में पुरस्कार पाने के लिए सुल्तानों के लिए इतिहास लिखने के लिए प्रयोग करें।
- 1236 में सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी रजिया सुल्तान बनी और मिनाज प्रथम सिराज ने कहा कि वह अपने भाइयों से ज्यादा सक्षम है।
- उसे 1240 में रईसों के रूप में सिंहासन से हटा दिया गया था और सिराज एक शासक के रूप में एक लड़की को सिंहासन पर पाकर खुश नहीं थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

रज़िया सुल्तान

मिन्हाज-ई-सिराजो

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

रज़िया के बारे में मिन्हाज-ए-सिराज के विचार

मिन्हाज-ए-सिराज का सोचना था कि ईश्वर ने जो आदर्श समाज व्यवस्था बनाई है उसके अनुसार स्त्रियों को पुरुषों के अधीन होना चाहिए और रानी का शासन इस व्यवस्था के विरुद्ध जाता था। इसलिए वह पूछता है : "खुदा की रचना के खाते में उसका ब्यौरा चूँकि मर्दों की सूची में नहीं आता, इसलिए इतनी शानदार खूबियों से भी उसे आखिर हासिल क्या हुआ?"

रज़िया ने अपने अभिलेखों और सिक्कों पर अंकित करवाया कि वह सुलतान इल्तुतमिश की बेटी थी। आधुनिक आंध्र प्रदेश के वारंगल क्षेत्र में किसी समय काकतीय वंश का राज्य था। उस वंश की रानी रुद्रम्मा देवी (1262-1289) के व्यवहार से रज़िया का व्यवहार बिलकुल विपरीत था। रुद्रम्मा देवी ने अपने अभिलेखों में अपना नाम पुरुषों जैसा लिखवाकर अपने पुरुष होने का भ्रम पैदा किया था। एक और महिला शासक थी—कश्मीर की रानी दिद्दा (980-1003)। उनका नाम 'दीदी' (बड़ी बहन) से निकला है। ज़ाहिर है प्रजा ने अपनी प्रिय रानी को यह स्नेहभरा संबोधन दिया होगा।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

दिल्ली सल्तनत का विस्तार - गैरीसन शहर से साम्राज्य तक

- 18वीं शताब्दी की शुरुआत में दिल्ली सल्तनत ने कोई जोखिम नहीं लिया, न ही जेलों में बंद शहरों से पहले गया।
- इसके बजाय सुल्तान ने इसके बजाय भीतरी इलाकों को नियंत्रित किया।
- सुदूर बंगाल के गैरीसन शहरों और दिल्ली से सिंध को नियंत्रित करना कठिन था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

गैरीसन शहर

आंतरिक इलाके

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- खराब मौसम, युद्ध, विद्रोह के कारण वह संवाद नहीं कर पा रहा था।
- मंगोल द्वारा अफगानिस्तान पर आक्रमण करने और सुल्तान की दुर्बलता के समय सुल्तानों के विद्रोह करने वाले राज्यपालों से दिल्ली की सत्ता को खतरा था।
- बाद में इसे गयासुद्दीन बलबन ने ले लिया और अलाउद्दीन खिलजी और मोह के तहत इसका विस्तार किया। तुगलक।
- सुल्तानों ने सबसे पहले गैरीसन कस्बों के भीतरी इलाकों को मजबूत करने का लक्ष्य रखा था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

गयासुद्दीन बलबन

سلطان غیاث الدین غوری شہنشاہ افغان (۵۵۸ ھ۔ق)

Sultan Ghiassuddine le Ghouride
Empereur Afghan (1192)

मोह. तुगलक

अलाउद्दीन खिलजी

سلطان علاء الدین خلجی محمد شاہ اول (۶۹۵ ھ۔ق)

Sultan Aala-Ouddine Khildji (1295)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- इन अभियानों के दौरान, गंगा यमुना दोआब में जंगलों को साफ किया गया, शिकारियों और चरवाहों को उनके आवास से हटा दिया गया।

- कृषि के लिए किसानों को भूमि दी गई, व्यापार मार्गों की रक्षा और क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किले, गैरीसन कस्बों की स्थापना की गई)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

कृषि

किले और गैरीसन कस्ब

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सल्तनत ने बाहरी सीमांत (दिल्ली सल्तनत के अधीन नहीं क्षेत्र) में विस्तार शुरू किया|
- सैन्य अभियान दक्षिणी भारत में शुरू हुआ (यह अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और (मोह। तुगलक) के साथ समाप्त हुआ।
- सल्तनत की सेनाओं ने हाथियों, घोड़ों और दासों, कीमती धातुओं पर कब्जा कर लिया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

घोड़े

कीमती धातुओं

हाथी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

150 वर्षों के बाद मोह.तुगलक के शासन के अंत तक, उनकी सेनाओं ने उपमहाद्वीप में प्रतिद्वंद्वी सेनाओं को हराना शुरू कर दिया (कई शहरों को किसानों से कर वसूला, न्याय दिया)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

दिल्ली सल्तनत का विस्तार - गैरीसन शहर से साम्राज्य तक

- दिल्ली के सुल्तानों के पास विशाल राज्य थे और उन्हें विश्वसनीय राज्यपाल और प्रशासकों की आवश्यकता थी।

- इल्तुतमिश ने फारसी में बंदगन नामक सैन्य सेवा के लिए अपने विशेष दासों का समर्थन किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वे महत्वपूर्ण राजनीतिक कार्यालयों के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे और चूंकि वे मालिक पर भरोसा करते थे, इसलिए उनके सुल्तान द्वारा उन पर भरोसा किया जाता था।
- खिलजी और तुगलक दोनों ने बंदगी का इस्तेमाल किया और सेनापति और राज्यपाल नियुक्त किए।
- दास और मुवक्किल अपने स्वामी के प्रति वफादार थे लेकिन उत्तराधिकारियों के प्रति नहीं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

सैन्य सेवा के लिए विशेष दास

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

बेटों से बढ़कर ग़ुलाम

सुलतानों को सलाह दी जाती थी :

जिस ग़ुलाम को हमने पाला-पोसा और आगे बढ़ाया है, उसकी हमें देखभाल करनी चाहिए, क्योंकि तकदीर अच्छी हो, तभी पूरी ज़िंदगी में कभी-कभी ही योग्य और अनुभवी ग़ुलाम मिलता है। बुद्धिमानों का कहना है कि योग्य और अनुभवी ग़ुलाम बेटे से भी बढ़कर होता है...

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- नए सुल्तानों के पास नए लोग होते थे और पुराने लोगों को हटा देते थे (इससे संघर्ष होता है)
- बहुत से लोगों को दिल्ली सुल्तान से परेशानी थी क्योंकि वे निम्न आधार वाले लोगों को रखते थे। (फारसी तवारीख ने दिल्ली सुल्तान की आलोचना की)
- खिलजी और तुगलक जैसे सुल्तानों ने सैन्य कमांडरों को राज्यपाल नियुक्त किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

सुलतान मुहम्मद तुग़लक़ के अधिकारीजन

सुलतान मुहम्मद तुग़लक़ ने अज़ीज खुम्मार नामक कलाल (शराब बनाने और बेचने वाला), फ़िरुज़ हज्जाम नामक नाई, मनका तब्बाख नामक बावर्ची और लड्ढा तथा पीरा नामक मालियों को ऊँचे प्रशासनिक पदों पर बैठाया था। चौदहवीं शताब्दी के मध्य के इतिहासकार ज़ियाउद्दीन बरनी ने इन नियुक्तियों का उल्लेख सुलतान के राजनीतिक विवेक के नाश और शासन करने की अक्षमता के उदाहरणों के रूप में किया है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उनके द्वारा नियंत्रित भूमि को इक्ता कहा जाता था और वे इक्तादार या मुक्ती कहलाते थे।
- मुक्ति का कर्तव्य- कानून और व्यवस्था बनाए रखना, सैन्य अभियान
- मुक्तियों और सैनिकों का वेतन राजस्व संग्रह से निकाला जाता था।
- वे बहुत कुशलता से काम करते थे क्योंकि उन्हें एक छोटी अवधि के लिए सौंपा गया था (उनके उत्तराधिकारी उनके कार्यालय का उत्तराधिकारी नहीं हो सकते)।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

वे सैन्य सहायता प्रदान करते हैं और कानून और व्यवस्था बनाए रखते हैं

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- दिल्ली के सुल्तानों ने भीतरी इलाकों का दौरा करना शुरू कर दिया और सामंतों (सरदार) को अपने अधिकार के तहत काम करने के लिए मजबूर किया, स्थानीय सरदार को भी कर का भुगतान करना पड़ा।
- तीन प्रकार की खेती - खराज किसानों की उपज का 50 प्रतिशत, (2) मवेशियों पर और (3) घरों पर।
- बंगाल जैसे दूर के प्रांतों को दिल्ली से नियंत्रित करना मुश्किल था और दक्षिणी भारत पर कब्जा करने के तुरंत बाद, पूरा क्षेत्र स्वतंत्र हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

कर

पशुओं पर

किसान की उपज

घरों पर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- कभी-कभी अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक जैसे शासक इन क्षेत्रों में अपना नियंत्रण स्थापित कर सकते थे लेकिन केवल थोड़े समय के लिए।
- अलाउद्दीन और मोह के शासन काल में मंगोलों ने दिल्ली पर आक्रमण किया। तुगलक (वे अपनी सेना जुटाते हैं)।
- अलाउद्दीन खिलजी (रक्षा, रक्षा करना)
- मोह. तुगलक (आक्रामक, हमला)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

अलाउद्दीन खिलजी
(रक्षा, रक्षा करना)

मोह. तुगलक
(आक्रामक, हमला)

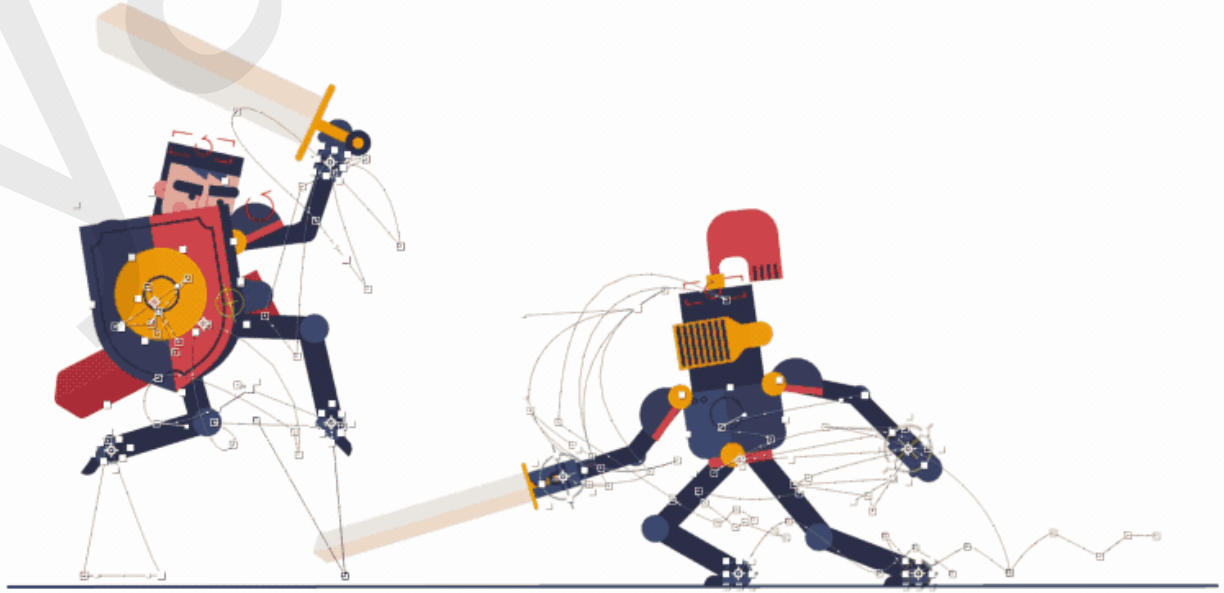

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

चंगेज खान

दिल्ली

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

सरदार और उनकी किलेबंदी

अफ़्रीकी देश, मोरक्को से चौदहवीं सदी में भारत आए यात्री इब्न बतूता ने बतलाया है कि सरदार कभी-कभी

चट्टानी, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में किले बनाकर रहते थे और कभी-कभी बाँस के झुरमुटों में। भारत में बाँस पोला नहीं होता। यह बहुत बड़ा होता है। इसके अलग-अलग हिस्से आपस में इस तरह से गुँथे होते हैं कि उन पर आग का भी असर नहीं होता और वे कुल मिलाकर बहुत ही मज़बूत होते हैं। सरदार इन जंगलों में रहते हैं, जो इनके लिए किले की प्राचीर का काम देते हैं। इस दीवार के घेरे में ही उनके मवेशी और फ़सल रहते हैं। अंदर ही पानी भी उपलब्ध रहता है, अर्थात् वहाँ एकत्रित हुआ वर्षा का जल। इसलिए उन्हें प्रबल बलशाली सेनाओं के बिना हराया नहीं जा सकता। ये सेनाएँ जंगल में घुसकर खासतौर से तैयार किए गए औज़ारों से बाँसों को काट डालती हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी का सल्तनत

- तुगलक, सैय्यद और लोदी राजवंशों ने 1526 तक दिल्ली से आगरा तक शासन किया, क्योंकि जौनपुर, बंगाल, मालवा, गुजरात, दक्षिण भारत जैसे कई राज्य स्वतंत्र थे।

- ये स्वतंत्र राज्य समृद्ध थे (नए शासक समूह यानी अफगान और राज पुट आए)।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

बहलुल लोदी

राणा प्रताप

सिख शासक

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

- कई राज्य छोटे लेकिन शक्तिशाली थे पूर्व - शेर शा - सुर (1540-1545) ने बिहार में अपने चाचा के लिए एक छोटे से क्षेत्र का प्रबंधन किया, मुगल सम्राट हुमायूँ (15-30,1555-1556) को हराया।
- शेर शाह ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया (सुर वंश ने केवल 15 वर्षों तक शासन किया। दक्षता के लिए खिलजी से प्रशासन के तत्वों को उधार लिया।
- अकबर ने मुगल साम्राज्य में शेरशाह के मॉडल का अनुसरण किया (1550-1605)

Sher Shah

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 3 दिल्ली के सुल्तान (NCERT)

www.evidyarthi.in

'तीन श्रेणियाँ', 'ईश्वरीय शांति', नाइट और धर्मयुद्ध

तीन श्रेणियों का विचार सबसे पहले ग्यारहवीं शताब्दी के आरंभ में फ्रांस में सूत्रबद्ध किया गया। इसके अनुसार समाज को तीन वर्गों में विभाजित किया गया–प्रार्थना करने वाला वर्ग, युद्ध करने वाला वर्ग और खेती करने वाला वर्ग। तीन वर्गों में समाज के इस विभाजन को ईसाई धर्म का समर्थन भी प्राप्त था। इस विभाजन से ईसाई धर्म को समाज में अपने प्रबल प्रभाव को और भी दृढ़ करने में सहायता मिलती थी। इसी विभाजन से योद्धाओं का एक नया समूह भी उभरा। इन योद्धाओं को 'नाइट' कहा जाता था।

ईसाई धर्म एक समूह को संरक्षण देता था और अपनी "ईश्वरीय शांति" की अवधारणा के प्रसार में इनका उपयोग करता था। नाइटों से अपेक्षा की जाती थी कि वे धर्म और ईश्वर की सेवा में समर्पित योद्धा रहें। कोशिश यह रहती थी कि इन योद्धाओं को आपसी लड़ाई-भिड़ाई से विमुख करके उन मुसलमानों के विरुद्ध युद्ध करने भेज दिया जाए, जिन्होंने यरुशलम शहर पर कब्जा कर रखा था। इस प्रयत्न के परिणामस्वरूप सैनिक अभियानों की एक शृंखला चली, जिसे 'क्रूसेड' (धर्मयुद्ध) कहा गया। ईश्वर तथा धर्म की सेवा में किए गए इन अभियानों ने नाइटों की हैसियत पूरी तरह बदल डाली। पहले इन नाइटों की गिनती कुलीनों में नहीं होती थी। मगर फ्रांस में ग्यारहवीं सदी के अंत तक और जर्मनी में उससे एक सदी बाद इन योद्धाओं के दीन-हीन अतीत को भुला दिया गया था। बारहवीं सदी तक तो कुलीन वर्ग के लोग भी नाइट कहलाना चाहने लगे थे।

https://www.evidyarthi.in/